हम

वो आये हमारे घर पर दिल मे उतर गये ।
कभी हम उनको कभी अपने घर को देखते रह गये ।।
हमने उन्को दिल मे उतारा, उन्होने हमे नजरे झुका कर कबूल किया ।
घरभर मे रोशनी हो गई, हमारे मन मे जमाने भर की खुशी भर गई ।।

हमने उनको नजरे चुरा कर देखा, अपने घर को नजरे विछाकर देखा ।
तो एसा लगा जहाँ हम साथ होगें वही सारा जहाँ होगाा ।।
हम तो तुम्हे देख कर प्यार कहते हैं ।
तुम भी हमें देख कर प्यार ही कहते हो ।।

तुम कभी शमा, कभी नीला, कभी हवा, कभी लहर, बनी।
मैं कभी दीप, कभी आकाश, कभी झोका, कभी सागर, बना।।

बादा निभाना आपसे सीखे कोई,
इस हाथ दिल लिया,
इस हाथ दिल दिया,
इसलिये जहाँ तुम वहाँ मैं ।

हर सांस में साथ है हम दोनो ।
हर पल में साथ है हम दोनो ।
हर काम में साथ है हम दोनो ।
क्योकि जीवन साथी हम दोनो ।

हम दोनो एक दूजे के लिये है ।
इसलिये हम एकदूजे के कोटिपूरक है ।
क्योकि अलग अलग हम अपूर्ण है ।
पर मिल कर हम सम्पूर्ण है ।

हम दोनो भगवान को अर्पित हैं
संसार की सेवा मे समर्पित है ।

उमेश रश्मि रोहतगी मार्च उन्नीस दो हजाार चार

24161 Nilan Drive Novi MI 48375 USA, web: www.rurohatgi.com, email :rurohatgi@yahoo.com, 248-471-5786